संचार मंत्रालय
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS

सत्यमेव जयते

माननीय संचार मंत्री का संदेश

नमस्कार!

प्रत्येक दिन लाखों जिंदगियों को छूने वाले भारतीय डाक के लिए नवम्बर माह नए उद्देश्यों और प्रगति का माह रहा है। जैसे-जैसे हम विकसित भारत की राह में आगे बढ़ रहे हैं, भारतीय डाक देश के संचार और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के आधारस्तंभ के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक सेवाओं की सुलभता सुनिश्चित कर रहा है। समस्त डाक विभाग में जारी आमूलचूल परिवर्तन की प्रक्रिया; दक्षता, गरिमा और विश्वास के साथ विश्व स्तरीय सेवाएं डिलीवर करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रतिबिम्बित करती है।

इस माह, विशेष अभियान 5.0 के तहत हमारे प्रयासों में सामूहिक कार्रवाई की शक्ति परिलक्षित हुई है। लगभग 1.30 लाख से भी अधिक स्थानों पर हजारों स्वच्छता और दक्षता अभियान आयोजित किए गए, जन शिकायतों का तेजी से निस्तारण किया गया, और तमाम महत्वपूर्ण प्रशासनिक सुधार किए गए। ये सुधार मात्र एक प्रक्रिया नहीं बल्कि उससे कहीं बढ़कर हैं, क्योंकि ये नागरिकों को सेवाओं की डिलीवरी में प्रत्यक्ष रूप से सुधार करती हैं और हमारे संस्थानों की अनुक्रियाशीलता को बेहतर बनाते हैं। 17,000 से भी अधिक पुरानी फाइलों का निस्तारण, 23,287 वर्गफुट की सरकारी जमीन को मुक्त करना, तथा कबाड निस्तारण प्रक्रिया के माध्यम से राजस्व अर्जित करना; यह सारी चीजें पारदर्शी और उत्तरदायी शासन की ओर हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

इसके अलावा, विभाग द्वारा डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान के जरिए वरिष्ठ नागरिकों के लिए शुरू किया गया आउटरीच अभियान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से जीवन प्रमाण सेवाओं को पेंशन भोगियों के द्वार तक ले जाकर हमने सुलभ, समावेशी और सहानुभूतिपूर्ण शासन व्यवस्था के प्रति अपने दीर्घकालिक विश्वास की पुनर्पुष्टि की है। 2.25 लाख से भी अधिक डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्रों का निर्गम भारतीय डाक पर नागरिकों के अटूट विश्वास का शानदार प्रतीक है। यह "डाक सेवा, जन सेवा" की भावना को कायम रखने वाले हमारे कार्मिकों के सेवाभाव का भी द्योतक है।

इस माह की सबसे बड़ी उपलब्धि युवा भारत के साथ हमारा जुड़ाव है। आईआईटी दिल्ली और दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर में अपग्रेडेड डाकघरों की स्थापना आधुनिक तथा डिजिटल कार्यस्थलों के युग का प्रतीक हैं और नई पीढ़ी (ज़ेन-जी) की आकांक्षाओं के अनुरूप हैं। ये अपग्रेडेड डाकघर देशभर में परिसर-आधारित सुविधाओं के नवीनीकरण संबंधी बृहत राष्ट्रव्यापी प्रयासों की शुरूआत की ओर संकेत करते हैं। इससे यह सुनिश्चत होगा कि विद्यार्थीगण भारतीय डाक को समकालिक, प्रौद्योगिकी-समर्थित सेवा प्रदाता के रूप में देखें।

हमने डाक सेवा ऐप के शुभारंभ के जरिए डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम भी आगे बढ़ाया है। इस एकीकृत प्लेटफॉर्म के जरिए अब सभी डाक सेवाएं नागरिकों को उनकी उंगलियों पर उपलब्ध होंगी। यह पहल 'सभी के लिए सेवाओं की सुलभता', 'डिजिटल सशक्तीकरण' और 'झंझटमुक्त सेवा अनुभव' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जैसे-जैसे देश अभूतपूर्व रूप से डिजिटल सेवाओं को अपना रहा है, भारतीय डाक नवोन्मेष और समावेशिता के बल पर नेतृत्वकारी भूमिका निभाने के प्रति अपने संकल्प को और अधिक मजबूत कर रहा है।

विभाग ने सेवा डिलीवरी से परे, अपने संचार और संपर्क ढांचे को भी सुदृढ़ किया है ताकि यह सुनिश्चत किया जा सके कि नागरिकगण जानकार बनें, जुड़े रहें और सशक्त हों। भारतीय डाक, सरकार के समस्त अभियानों को आगे बढ़ाने, साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने, सांस्कृतिक पहलों का प्रचार-प्रसार करने, और सरकारी कार्यक्रमों को सीधे लोगों तक पहुंचाने के लिए 'दूरसंचार विभाग', 'उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास विभाग', 'ग्रामीण विकास मंत्रालय', 'संस्कृति मंत्रालय' और 'आई4सी' के साथ निकट समन्वय स्थापित कर कार्य कर रहा है। हम अपनी नवीनीकृत संचार रणनीति और एसओपी के माध्यम से यह सुनिश्चत कर रहे हैं कि हमारी संदेशन प्रक्रिया बहुभाषी, नागरिक केंद्रित और रियल-टाइम फीडबैक पर आधारित हो। वहीं दूसरी ओर हम 'पीआईबी', 'माय गॉव' तथा 'इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय' के साथ नजदीकी समन्वय स्थापित कर 'गलत सूचनाओं से निपटने' की अपनी क्षमता को मजबूत कर रहे हैं और हमारी डिजिटल उपस्थिति मजबूत कर रहे हैं। हमारे सभी 1.65 लाख डाकघरों और प्रशासनिक इकाइयों में उन्नत डाक प्रौद्योगिकी (एपीटी) 2.0 के देशव्यापी रोलआउट के माध्यम से इस रूपांतरकारी उर्जा में और अधिक वृद्धि हुई है। साथ ही, अब डेटा विशलेषिकी की तमाम परतों के एकीकरण के पश्चात, एपीटी 2.0 न केवल प्रचालगत दक्षता में सुधार करने में सहायक सिद्ध होगा; बल्कि नागरिकों के साथ जुड़ाव और डिजिटल सेवा डिलीवरी के नए मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

इस माह की उपलब्धियों पर विचार करते हुए जो बात सबसे अलग दिखाई पड़ती है- वह है, डाक विभाग पर भारत के लोगों का अटूट विश्वास। डाक विभाग द्वारा डिलीवर किया गया प्रत्येक पत्र, प्रत्येक सेवित पेंशनभोगी, सुपुर्द किया गया प्रत्येक पार्सल और वह प्रत्येक डिजिटल सेवा जो नागरिक तक पहुंची है, नागरिकों और इस ऐतिहासिक संस्थान के संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाती है। भारतीय डाक हमारे लिए सुलभता, भरोसे और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। समय के साथ-साथ, हम नवाचार और उत्कृष्ट सेवा के माध्यम से लोगों की बढ़ती उम्मीदों पर खरा उतरने के प्रति संकल्पबद्ध हैं। आपके अनवरत सहयोग से भारतीय डाक निरंतर विकसित और आधुनिकीकृत होता रहेगा तथा उसी महान भाव से सेवा करता रहेगा, जो पिछले 170 वर्षों से भी अधिक समय से इस विभाग को परिभाषित करती रही है।

भवदीय,

ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया
संचार मंत्री, भारत सरकार